हिन्दुस्तानी संगीत - स्वरवाद्य में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य *- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के प्राचीन काल, रागों के प्रकार, संगीत सम्बन्धी निबंध, स्वर वाद्य की विकास यात्रा एवं घरानों से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार स्वर वाद्य के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*				
चतुर्थ सेमेस्टर का पाठ्यक्रम कोर				
क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**हिन्दुस्तानी संगीत सिद्धांत- स्वरवाद्य**	**BAMI(N)–202**	**50**	**2**
प्रथम खण्ड	**इकाई 1-** भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल			
	इकाई 2- नाद, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांगवादि राग, उतरान्गवादि राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग।			
	इकाई 3- स्वर वाद्य की विकास यात्रा व स्वर वाद्य के घरानों का संक्षिप्त परिचय।			
	इकाई 4- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (उ0 हाफिज़ अली खाँ, पं0 रविशंकर एवं पं0 निखिल बैनर्जी)।			
	इकाई 5- संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम के रागों देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत को तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7- पाठयक्रम की तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	**प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा IV**	**BAMI(N)–202**	**50**	**2**
	इकाई 8- राग देश एवं शुद्ध कल्याण का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
द्वितीय खण्ड	**इकाई 9-** राग देश एवं शुद्ध कल्याण में मसीतखानी/विलम्बित गत एवं रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 10- राग शुद्ध सारंग का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11- राग शुद्ध सारंग में रजाखानी/द्रुत गत आलाप एवं तोड़े सहित।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के रागों देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग में से किसी एक में रजाखानी/द्रुत गत तीनताल के अतिरिक्त किसी और ताल में ।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम के तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम के तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग – देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग			**ताल – आड़ाचारताल एवं गजझम्पा**	
नोट- पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				